WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

पश्चिमी बंगाल में दामोदर घाटी निगम के अन्तर्गत परियोजनाएं

* 1498. **श्री निहाल सिंह** : क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिमी बंगाल में दामोदर घाटी निगम द्वारा आरम्भ की गई परियोजनाओं की पूर्ति पर कुल कितना व्यय होने की संम्भावना है और इस बारे में अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण तथा विकास बैंक से अब तक कितनी राशि प्राप्त हुई है; और

(ख) वे परियोजनाएं कब तक पूरी हो जायेंगी ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) और (ख). दामोदर घाटी निगम जोकि दामोदर घाटी निगम अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत स्थापित किया गया था, पश्चिम बंगाल और बिहार राज्यों में दामोदर नदी के लगभग 24285 वर्ग किलोमीटर बेसिन के एकीकृत विकास के लिये उत्तरदाई है। निगम के मुख्य उद्देश्य (1) बाढ़-निवारण, (2) सिंचाई, तथा (3) बिजली उत्पादन और वितरण हैं। निगम का बाढ़-नियन्त्रण कार्यक्रम लगभग पूर्ण हो गया है। इसी प्रकार सिंचाई क्षेत्र में विस्तार, विकास तथा जलमार्गों से सम्बन्धित बन रही स्कीमों के अतिरिक्त निगम का और कोई सिंचाई कार्यक्रम नहीं है। निगम का भावी विद्युत् विस्तार कार्यक्रम विशेषतया घाटी में विद्युत की मांग बढ़ने पर निर्भर है जिसके लिए समय समय पर भार सर्वेक्षण किया जाता है। मैथोन (60 मैगावाट), पंचेत (40 मैगावाट) और तिलैया (4 मैगावाट) में जल-विद्युत केंद्र तथा बोकारो (247.5 मैगावाट) और दुर्गापुर (290 मैगावाट) में ताप विद्युत केंद्र पूर्ण हो चुके हैं। चन्द्रपुर में 140-140 मैगावाट के दो यूनिट पूर्ण हो गए हैं और तीसरा यूनिट पूर्ण होने वाला है। चन्द्रपुर में दो और यूनिट लगाने का प्रस्ताव है जिनमें प्रत्येक की क्षमता 120 मैगावाट होगी। भिन्न-भिन्न भार वितरण केन्द्रों से विभिन्न उपभोक्ताओं को बिजली देने के लिए विस्तृत पारेषण तथा वितरण प्रणाली की व्यवस्था की गई है जिसको आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया और पक्का किया जा रहा है। निगम पर 1966-67 के अन्त तक 216.77 करोड़ रुपये व्यय हुए। विश्व बैंक से कुल 492.2 लाख डालर (23.44 करोड़ रुपये) लिए गए।

Social Work in Border Areas

*1500. SHRI SITARAM KESRI : Will the Minister of SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government have been providing financial assistance to the institutions engaged in social work in the border areas in the Eastern and Northern regions;

(b) if so, the amount provided to them during the years from 1962 to 1967 ; and

(c) whether Government have received any complaints about the mis-appropriation of funds by the social workers and if so, the action taken thereon ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE [DR. (SMT.) PHULRENU GUHA] : (a) Yes, Sir.

(b) Rs. 6.66 lakhs.

(c) No, Sir.

Amount spent by Foreign Embassies in India

*1501. SHRI SHIV CHANDRA JHA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Government have any estimate of the total amount spent per year in India by all the foreign Embassies in India ;

(b) if so, the details thereof, Embassy-wise ; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI DESAI) : (a) and (b). Infor-

mation in regard to amounts spent by Embassies is not available.

(c) The diplomatic rules and procedures do not require submission of statements of expenditure by Missions.

Fertilizer Factory at Gorakhpur, U. P.

*1502. SHRI VISHWA NATH PANDEY : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state :

(a) whether the production in the Gorakhpur Fertilizer Factory (U. P.) has gone up ; and

(b) if so, the extent thereof ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND SOCIAL WELFARE (SHRI ASOKA MEHTA) : (a) and (b). The fertilizer factory at Gorakhpur went into production on the 2nd February, 1968. The production of Urea for the months of February and March, 1968 was 979 and 1548 tonnes respectively.

चीन द्वारा परिचालित जाली भारतीय मुद्रा

*1504. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री बशपाल सिंह :
श्री हरदयाल देवगुण :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चीन ने भारत की पूर्वी सीमा के भारतीय राज्य-क्षेत्र में जाली भारतीय नोट परिचालित किये हैं;

(ख) यदि हां, तो इस का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री जगन्नाथ पहाड़िया) : (क) इस आरोप को सिद्ध करने वाला कोई प्रमाण नहीं मिला है।

(ख) और (ग). ये सवाल पैदा ही नहीं होते।

Indo-Pak Meeting on Irrigation Projects in East India

*1505. SHRI MEETHA LAL MEENA:
SHRI H. AJMAL KHAN :
SHRI K. M. KOUSHIK :
SHRI B. N. SHASTRI :
SHRI R. R. SINGH DEO :

Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 3080 on the 6th March, 1968 and state :

(a) whether the meeting of experts of the two countries for an exchange of information on irrigation projects in Eastern India has since taken place ; and

(b) if so, when and what was the venue of the meeting ?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO) : (a) Not yet, Sir.

(b) The meeting is expected to take place at New Delhi early in May 1968.

Old Age Pension Scheme in U.P. and West Bengal

*1507. SHRI S. M. BANERJEE : Will the Minister of SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that old age pension scheme in U. P. and West Bengal has been discontinued ;

(b) if so, the reasons therefor ;

(c) whether it is also a fact that a number of applications are pending ; and

(d) if so, the number of such applications as on the 1st January, 1968 ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE [DR. (SMT.) PHULRENU GUHA] : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d). Yes, 196 applications in Uttar Pradesh. Information regarding West Bengal is not available.